Romans 8:1-16
रोमियो ८:१-१६

Calming Storms
Pastor Bryan Chapell
पास्टर ब्रायन चैपल

11.12.17
११.१२.१७

Introduction: A troubled soul that cries out,"I am a freak! Not good. Not Strong. Not loved.
प्रस्तावना: एक परेशान आत्मा जो रो रही है " में सनकी हूँ, बुरा हूँ, कमज़ोर हूँ. कोई प्यार करने वाला नहीं

I. Calming the storm of self-condemnation
आत्म निंदा की आंधी को शांत करना

A. Cast the Word (v1)
वचन को डालो (व् १)

B. Broadcast Grace (v2-4)
कृपा का प्रसारण करो (व् २-४)

II. Calming the storm of Self-doubt
आत्म संदेह की आंधी को शांत करना

A. The helplessness of those not "in Christ" (v5-8)
जो प्रभु यीशु में नहीं है उनकी की बेबसी (व् ५-८)

B. The power of those "in Christ" (v9-13)
प्रभु यीशु में है उनकी ताकत (व् ९-१३)

III. Calming the storm of self-rejection
आत्म अस्वीकृति की आंधी को शांत करना

A. Facing the sin (v9, 10, 11)
पाप का सामना करना (व् ९, १०, ११)

B Embracing the Spirit (v14-16)
आत्मा को गले लगाना (व् १४-१५)

Conclusion: Peace for our storm in the face of the failures revealed in our own families
निष्कर्ष: अपने परिवार की असफलता की आंधी में भी शांति